डॉ. राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170–सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य, सार्वजनिक उपक्रम
एवं निगम संयुक्त समिति
सदस्य, पुलिस स्थायी समिति

बी–1203, बी–ब्लॉक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
लखनऊ–226001

क-7 No. 471794

पत्रांक: RS/3363/MIN/25

दिनांक: 26-08-2025

सेवा में,

माननीय मुख्यमंत्री जी,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

विषयः– **लखनऊ नगर निगम एवं नगर विकास विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा हेतु – जलभराव, सड़कों व ड्रेनेज व्यवस्था की बदहाली के संदर्भ में।**

आदरणीय महोदय,

लखनऊ नगर निगम एवं नगर विकास विभाग की लापरवाही के कारण राजधानी के नागरिक इन दिनों भारी जलभराव, टूटी–फूटी सड़कों और जाम हुई नालियों से त्रस्त हैं। हाल की तेज बारिश ने एक बार फिर इन विभागों की अक्षमता को उजागर कर दिया है।

हर वर्ष करोड़ों रुपये सड़क मरम्मत, नालियों की सफाई और ड्रेनेज सुधार के नाम पर खर्च होते हैं, किंतु जमीनी हकीकत यह है कि सामान्य वर्षा में ही कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। जनता को आवागमन में भारी कठिनाई, बीमारियों का खतरा और शहरी ढाँचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ रहा है।

मुख्य समस्याएँः–

1. **नालियों की दुर्दशा** – अधिकांश नालियाँ जाम या अतिक्रमण से बाधित हैं। मानसून पूर्व नियमित सफाई नहीं हो रही।
2. **सड़कों की खस्ताहाली** – हाल ही में बनी या मरम्मत की गई सड़कों पर भी पहली बारिश में गड्ढे उभर आते हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं।
3. **बार–बार जलभराव वाले क्षेत्र** – आलमबाग, राजाजीपुरम, चारबाग, इन्दिरानगर, गोमतीनगर विस्तार, हजरतगंज, सरोजनी नगर आदि में हर वर्ष जलभराव की गंभीर स्थिति बन जाती है।
4. **जवाबदेही का अभाव** – नगर निगम व नगर विकास विभाग के अभियंताओं/अधिकारियों की कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती।

मो0नं0: 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई–मेलः officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डॉ. राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170–सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य, सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति
सदस्य, पुलिस स्थायी समिति

बी–1203, बी–ब्लॉक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
लखनऊ–226001

क–7 No. 471005

पत्रांकः

दिनांकः 26-08-2025

अतः आपसे निवेदन है किः–

- लखनऊ नगर निगम एवं नगर विकास विभाग की कार्यप्रणाली की तत्काल समीक्षा कराई जाए।
- एक उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग समिति गठित की जाए, जो नालों की सफाई, सड़क मरम्मत व ड्रेनेज सुधार कार्य की गुणवत्ता और समय–सीमा पर निगरानी रखे।
- जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा लापरवाही पर दंडात्मक कार्यवाही हो।
- लखनऊ के लिए दीर्घकालिक बाढ़ प्रबंधन योजना बने, जिसमें आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक, जीआईएस मैपिंग, और वर्षा–जल निकासी का वैज्ञानिक आकलन शामिल हो।
- समीक्षा समिति में स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों (सिविल इंजीनियर, शहरी योजनाकार, जल प्रबंधन विशेषज्ञ) को भी शामिल किया जाए।

मान्यवर, लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है और यहाँ की स्थिति पूरे राज्य की छवि का प्रतिनिधित्व करती है। हर वर्ष बारिश में जलमग्न सड़कें और परेशान जनता राजधानी की गरिमा को आघात पहुँचाती हैं।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि नगर निगम व नगर विकास विभाग की कार्यप्रणाली की शीघ्र समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ।

सादर,

भवदीय,

(डॉ० राजेश्वर सिंह)

मो0नं0: 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई–मेलः officeofrajeshwarsingh@gmail.com